Bihar Board Class 6 Maths Notes Chapter 7 भिन्न

→ भिन्न वह संख्या है जो एक पूर्ण के एक भाग को निरूपित करती है। यह पूर्ण एक अकेली वस्तु भी हो सकती है अथवा वस्तुओं का समूह भी।

→ किसी स्थिति में गिने हुए भागों को भिन्न में व्यक्त करने के लिए यह आवश्यक है कि उसके सभी भाग बराबर हों।

→ भिन्न के में, 5 अंश तथा 12 भिन्न का हर कहलाता है। किसी भी भिन्न के लिए हम अंश तथा हर की पहचान इस प्रकार से कर सकते हैं।

→ भिन्नों को संख्या रेखा पर भी दर्शाया जा सकता है। प्रत्येक भिन्न के लिए संख्या रेखा पर एक निश्चित बिंदु होता है।

→ एक उचित भिन्न में अंश सदैव हर से छोटा होता है और विषम भिन्न में हर हमेशा अंश से बड़ा होता है।

→ विषम भिन्न को एक पूर्ण और एक भाग के रूप में भी लिखा जा सकता है। इस स्थिति में यह भिन्न, मिश्रित कहलाती है।

→ विषम भिन्न को मिश्रित भिन्न में बदलने के लिए

- अंश को हर से भाग दो।
- भागफल मिश्रित भिन्न की पूर्ण संख्या कहलाता है।
- शेष को हर के ऊपर रखा जाता है जो भिन्नात्मक भाग बनाता है।

→ मिश्रित भिन्न को विषम भिन्न में बदलने के लिए

- भिन्न के हर को पूर्ण संख्या से गुणा करों।
- गुणनफल के साथ अंश को जोड़ो।
- योग को हर के ऊपर रखा जाता है, जो विषम भिन्न बनाता है।

→ दो भिन्न तुल्य भिन्न कहलाती हैं यदि वे समान मात्रा को निरूपित करती हों। प्रत्येक उचित या विषम भिन्न की अनेक तुल्य भिन्न होती हैं।

→ एक दी हुई भिन्न की तुल्य भिन्न ज्ञात करने के लिए हम भिन्न के अंश तथा हर दोनों को समान शून्येतर संख्या से गुणा या भाग कर सकते हैं।

→ एक भिन्न अपने सरलतम रूप या न्यूनतम रूप में तब कही जाती है जब उसके अंश तथा हर में 1 के अलावा कोई दूसरा उभयनिष्ठ गुणनखंड न हो।

→ जिन भिन्नों के हर समान नहीं होते, वे असमान भिन्न कहलाती हैं।

→ एक जैसे हर वाली भिन्नों को जोड़ने के लिए हम केवल उनके अंश को जोड़ते हैं।

$$\text{भिन्नों का योग} = \frac{\text{अंशों का योग}}{\text{हर}}$$

→ अलग-अलग हर वाली भिन्नों को जोड़ने के लिए हम दिए हुए भिन्न को ऐसी भिन्न में बदलते हैं जिनके हर समान हों।

→ एक जैसे हर वाली भिन्नों का अन्तर ज्ञात करने के लिए

$$= \frac{\text{अंशों के बीच अन्तर}}{\text{हर}}$$

https://www.evidyarthi.in/